मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CVG–001

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र
(सी. वी. जी.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2024
सी.वी.जी.-001 : संस्कृत में गणितीय परम्परा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *इस प्रश्न-पत्र में दो खण्ड हैं। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं।*

खण्ड—क

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दोजिए : 4×20=80

   (i) वैदिक गणित की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

   (ii) याजुष ज्योतिष में गणित के महत्त्व को बताते हुए उसमें उल्लिखित गणितीय संक्रियाओं का वर्णन कीजिए।

   (iii) उत्तर-वैदिककालीन भारतीय गणित को समझाते हुए बौद्धकालीन गणित पर प्रकाश डालिए।

(iv) संख्यास्थानानि और संख्यासारणि प्रणाली का विदेशों में प्रसार किस प्रकार हुआ ? सविस्तार विवेचन कीजिए।

(v) "संकलितव्यवकलितयो करणसूत्रम्" को स्पष्ट कीजिए।

(vi) वर्गमूल की भागविधि को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $4 \times 5 = 20$

(i) कलन

(ii) अंक

(iii) वर्ग एवं वर्गमूल

(iv) अंगुलादिमानम्

(v) दशमलव

(vi) वेदाङ्ग